an>

Title: Need to declare 16th December, the martyrdom day of Guru Teg Bahadur as public holiday.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : माननीय अध्यक्ष जी, आज 16 दिसंबर श्री गुरू तेग बहादुर साहब का बलिदान दिवस है। श्री गुरू तेग बहादुर साहब भले ही सिखों के नौंवे गुरू थे, मगर उन्होंने जो बलिदान दिया, देश में धर्म की आज़ादी के लिए दिया। मानवीय अधिकारों की रक्षा के दिया। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि इतने बड़े बलिदान को रिस्पेक्ट पे करने के लिए देश भर में बलिदान दिवस और धर्म की आज़ादी का दिवस, मानवीय अधिकारों के दिवस के तौर पर मनाना चाहिए। पंजाब सरकार तो इस अवसर पर छुट्टी करती है। इस वर्ष दिल्ली सरकार ने भी छुट्टी की है। उससे पहले श्री मदन लाल खुराना जी दिल्ली के मुख्य मंत्री थे, उन्होंने भी छुट्टी की थी। किंतु सेंटर की सरकार, कम से कम जो दिल्ली के कार्यालय हैं, उनकी तो छुट्टी कर दिया करे। मैंने आपको एडजर्नमेंट मोशन दिया था। मुझे इस बात का दुख है कि और कुछ नहीं तो दो मिनट के लिए उसको रिस्पैक्ट देने के लिए जिस बलिदान ने, जो हम गौरव से कहते हैं कि हमारा देश अनेकता में एकता है। हम गौरव से कहते हैं कि हमारे देश का जो चरित्र है, बड़े गौरव से कहते हैं कि धर्म अलग-अलग हैं, परंतु देश एक है। इन सबको बचाने के लिए, किसी ने बलिदान दिया था तो गुरू तेग बहादुर साहब ने दिया था। उस शहादत को रिस्पैक्ट देने के लिए कम से कम दो मिनट के लिए यहां हाऊस को बोलना चाहिए। मैं सभी सांसद मित्रों को कहना चाहूंगा कि ऐसा बलिदान जो देश के धर्म की आजादी के लिए हुआ हो।

भय कहु को देतन है,

न भय मान-टान।

जियो और जीने दो का संदेश दिया हो तो इससे बड़ा संदेश क्या मिल सकता है। ऐसे गुरू को प्रेरणा स्त्रोत के रूप में जिनको सब पार्टियां सहमति से एक रेज़ोल्युशन आए और इसको बलिदान दिवस के तौर पर मनाएं तो अच्छा होगा।

माननीय अध्यक्ष :

श्री केशव प्रसाद मौर्य,

श्री सत्यपाल सिंह,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री सी.आर.चौधरी,

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया,

श्री हरिओम सिंह राठौड़,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं

डॉ. वीरेन्द्र कुमार को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।